रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, सोमवार, 22 मई, 2023 पृष्ठ: 8 मू

फल बगीचे लगाने से पूर्व रखें आवश्यक बातों का ध्यान,लंबे समय तक मिलेगा अच्छा फलोत्पादन– डॉ वीके त्रिपाठी

(अनवर अशरफ) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज उद्यान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ वीके त्रिपाठी ने बागवान भाइयों हेतु नए बाग

लगाने से पूर्व आवश्यक तकनीकों की जानकारी के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि बाग लगाना अन्नदाता के लिए आमदनी का अच्छा खासा जरिया साबित होता जा रहा है उन्होंने भगवानों को सलाह दी है कि बाग लगाने के लिए सही स्थान का चयन कर ले उन्होंने कहा कि बाग लगाने के लिए लेआउट और गड्ढे की खुदाई का काम मई माह में खत्म कर लेना चाहिए जिससे कि तेज धूप से हानिकारक कीटाणु खत्म हो जाते हैं। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि तत्पश्चात गड्ढों की भराई का कार्य एक माह पश्चात यानी कि जून के महीने में पूर्ण कर लेना चाहिए।उन्होंने बताया कि गड्ढा भरते समय प्रति गड्ढा गोबर की सड़ी हुई खाद 20 से 25 किलोग्राम, सुपर फास्फेट 250 ग्राम,क्विनालफोस 50 ग्राम, नीम की छाल 2 किलोग्राम। उन्होंने कहा कि छारीय मिट्टी होने पर 250 ग्राम जिप्सम और तालाब वाली मिट्टी को भरना चाहिए। तत्पश्चात अच्छी नर्सरी या उद्यान विभाग से सही किस्मों का चयन कर जुलाई– अगस्त माह में पौध ारोपण का कार्य पूर्ण कर लें।

वर्ष-17 अंक-138 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 22 मई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

फल बगीचे लगाने से पूर्व रखें आवश्यक बातों का ध्यानः डॉ. वी.के. त्रिपाठी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज उद्यान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ वीके त्रिपाठी ने बागवान भाइयों हेतु नए बाग लगाने से पूर्व आवश्यक तकनीकों की जानकारी के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि बाग लगाना अन्नदाता के लिए आमदनी का अच्छा खासा जरिया साबित होता जा रहा है उन्होंने भगवानों को सलाह दी है कि बाग लगाने के लिए सही स्थान का चयन कर ले उन्होंने कहा कि बाग लगाने के लिए लेआउट और गड्ढे की खुदाई का काम मई माह में खत्म कर लेना चाहिए जिससे कि तेज धूप से हानिकारक कीटाणु खत्म हो जाते हैं। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि तत्पश्चात गड्ढों की भराई का कार्य एक माह पश्चात यानी कि जून के महीने में पूर्ण कर लेना चाहिए।उन्होंने बताया कि गड्ढा भरते समय प्रति गड्ढा गोबर की सड़ी हुई खाद 20 से 25 किलोग्राम, सुपर फास्फेट 250 ग्राम,क्विनालफोस 50 ग्राम, नीम की छाल 2 किलोग्राम। उन्होंने कहा कि छारीय मिट्टी होने पर 250 ग्राम जिप्सम और तालाब वाली मिट्टी को भरना चाहिए। तत्पश्चात अच्छी नर्सरी या उद्यान विभाग से सही किस्मों का चयन कर जुलाई- अगस्त माह में पौधरोपण का कार्य पूर्ण कर लें।

आज

कानपुर

22 मई 2023

फल बगीचे लगाने में वैज्ञानिक विधि अपनायें किसान, मिलेगा लाभ

उद्यान विभाग से सही किस्मों का चयन जरूरी, जुलाई–अगस्त महीने में पूर्ण करें पौधरोपण का कार्य

कानपुर, 21 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह की ओर से जारी निर्देश के क्रम में आज उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ वी.के. त्रिपाठी ने बागवान भाइयों के लिए नए बाग लगाने से पूर्व आवश्यक तकनीकों की जानकारी के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि बाग लगाना अन्नदाता के लिए आमदनी का अज्छा खासा जरिया साबित होता जा रहा है। उन्होंने भगवानों को सलाह दी है कि बाग लगाने के लिए सही स्थान का चयन कर ले उन्होंने कहा कि बाग लगाने के लिए लेआउट और गड्ढे की खुदाई का काम मई माह में खत्म कर लेना चाहिए जिससे कि तेज धूप से हानिकारक कीटाणु खत्म हो जाते हैं। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि तत्पश्चात गड्ढों की भराई का कार्य एक माह पश्चात यानी कि जून के महीने में पूर्ण कर लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि गड्ढा भरते समय प्रति गड्ढा गोबर की सड़ी हुई खाद 20 से 25 किलोग्राम, सुपर फास्फेट 250 ग्राम,क्विनालफोस 50 ग्राम, नीम की छाल 2 किलोग्राम। उन्होंने कहाकि छारीय मिट्टी होने पर 250 ग्राम जिप्सम और तालाब वाली मिट्टी को भरना चाहिए। तत्पश्चात अज्छी नर्सरी या उद्यान विभाग से सही किस्मों का चयन कर जुलाई-अगस्त माह में पौधरोपण का कार्य पूर्ण कर लें।

फल बगीचे लगाने से पूर्व रखें आवश्यक बातों का ध्यान,लंबे समय तक मिलेगा अच्छा फलोत्पादन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज उद्यान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ वीके त्रिपाठी ने बागवान भाइयों हेतु नए बाग लगाने से पूर्व आवश्यक तकनीकों की जानकारी के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि बाग लगाना अन्नदाता के लिए आमदनी का अ'छा खासा जरिया साबित होता जा रहा है उन्होंने भगवानों को सलाह दी है कि बाग लगाने के लिए सही स्थान का चयन कर ले उन्होंने कहा कि बाग लगाने के लिए लेआउट और गड्ढे की खुदाई का काम मई माह में खत्म कर लेना चाहिए जिससे कि तेज धूप से हानिकारक कीटाणु खत्म हो जाते हैं। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि तत्पश्चात गड्ढों की भराई का कार्य एक माह पश्चात यानी कि जून के महीने में पूर्ण कर लेना चाहिए उन्होंने बताया कि गड्ढा भरते समय प्रति गड्ढा गोबर की सड़ी हुई खाद 20 से 25 किलोग्राम, सुपर फास्फेट 250 ग्राम,क्विनालफोस 50 ग्राम, नीम की छाल 2 किलोग्राम। उन्होंने कहा कि छारीय मिट्टी होने पर 250 ग्राम जिप्सम और तालाब वाली मिट्टी को भरना चाहिए। तत्पश्चात अ'छी नर्सरी या उद्यान विभाग से सही किस्मों का चयन कर जुलाई- अगस्त माह में पौधरोपण का कार्य पूर्ण कर लें।

संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करें... 12

मेरठ में जलती चिता को बुझाकर पुलिस ने उठाया... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 218
मूल्यः ₹ 3.00/-
पेज : 12
सोमवार | 22 मई, 2023

नए बाग लगाने के लिए एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के उद्यान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. वी. के. त्रिपाठी ने बीते दिन रविवार को बागवानो के लिए नए बाग लगाने से पूर्व आवश्यक तकनीकों की जानकारी के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बागवानों को बाग लगाने के लिए सही स्थान का चयन कर बाग लगाने के लिए लेआउट और गड्ढे की खुदाई का काम मई माह में खत्म करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने से पहले गड्ढा भरते समय प्रति गड्ढा गोबर की सड़ी हुई खाद 20 से 25 किलोग्राम, सुपर फास्फेट 250 ग्राम,क्विनालफोस 50 ग्राम, नीम की छाल 2 किलोग्राम तथा छारीय मिट्टी होने पर 250 ग्राम जिप्सम और तालाब वाली मिट्टी को भरना चाहिए।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 316 कानपुर, सोमवार 22 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

बगीचे लगाने से पूर्व रखें आवश्यक बातों का ध्यान,लंबे समय तक मिलेगा अच्छा फलोत्पादन : डॉ वीके

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में उद्यान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ वीके त्रिपाठी ने बागवान भाइयों हेतु नए बाग लगाने से पूर्व आवश्यक तकनीकों की जानकारी के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि बाग लगाना अन्नदाता के लिए आमदनी का अच्छा खासा जरिया साबित होता जा रहा है उन्होंने भगवानों को सलाह दी है कि बाग लगाने के लिए सही स्थान का चयन कर ले उन्होंने कहा कि बाग लगाने के लिए लेआउट और गड्ढे की खुदाई का काम मई माह में खत्म कर लेना चाहिए जिससे कि तेज धूप से हानिकारक कीटाणु खत्म हो जाते हैं। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि तत्पश्चात गड्ढों की भराई का कार्य एक माह पश्चात यानी कि जून के महीने में पूर्ण कर लेना चाहिए।उन्होंने बताया कि गड्ढा भरते समय प्रति गड्ढा गोबर की सड़ी हुई खाद 20 से 25 किलोग्राम, सुपर फास्फेट 250 ग्राम क्विनालफोस 50 ग्राम, नीम की छाल 2 किलोग्राम। उन्होंने कहा कि छारीय मिट्टी होने पर 250 ग्राम जिप्सम और तालाब वाली मिट्टी को भरना चाहिए। तत्पश्चात अच्छी नर्सरी या उद्यान विभाग से सही किस्मों का चयन कर जुलाई- अगस्त माह में पौधरोपण का कार्य पूर्ण कर लें।

फल बगीचे लगाने से पूर्व रखें आवश्यक बातों का ध्यान, लंबे समय तक मिलेगा अच्छा फलोत्पादन : डॉ वी. के. त्रिपाठी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज उद्यान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. वी. के. त्रिपाठी ने बागवान भाइयों हेतु नए बाग लगाने से पूर्व आवश्यक तकनीकों की जानकारी के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि बाग लगाना अन्नदाता के लिए आमदनी का अच्छा खासा जरिया साबित होता जा रहा है उन्होंने भगवानों को सलाह दी है कि बाग लगाने के लिए सही स्थान का चयन कर ले उन्होंने कहा कि बाग लगाने के लिए लेआउट और गड्ढे की खुदाई का काम मई माह में खत्म कर लेना चाहिए जिससे कि तेज धूप से हानिकारक कीटाणु खत्म हो जाते हैं। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि तत्पश्चात गड्ढों की भराई का कार्य एक माह पश्चात यानी कि जून के महीने में पूर्ण कर लेना चाहिए । उन्होंने बताया कि गड्ढा भरते समय प्रति गड्ढा गोबर की सड़ी हुई खाद 20 से 25 किलोग्राम, सुपर फास्फेट 250 ग्राम, क्रिनालफोस 50 ग्राम, नीम की छाल 2 किलोग्राम। उन्होंने कहा कि छारीय मिट्टी होने पर 250 ग्राम जिप्सम और तालाब वाली मिट्टी को भरना चाहिए। तत्पश्चात अच्छी नर्सरी या उद्यान विभाग से सही किस्मों का चयन कर जुलाई- अगस्त माह में पौधरोपण का कार्य पूर्ण कर लें।